Name : .....

Class : .....

भाववाचक संज्ञा (परिभाषा)

- जो संज्ञा शब्द **किसी भावना, गुण, अवस्था, विचार या अनुभव को बताते हैं** और **जिन्हें देखा या छुआ नहीं जा सकता**, उन्हें भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) कहते हैं।
- भाववाचक संज्ञा को केवल महसूस किया जा सकता है।

उदाहरण (Examples)

नीचे दी गई किसी भी वस्तु को आप छू नहीं सकते या देख नहीं सकते, यह केवल भाव प्रदर्शित करती है।

- खुशी
- दुख
- प्रेम
- ईमानदारी
- साहस
- सुंदरता
- बचपन
- मित्रता

निर्देश: नीचे दिए वाक्यों में भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) को रेखांकित करो।

- कठिन समय में दृढ़ता बनाए रखना ज़रूरी है।
- अच्छे कार्यों के प्रति निष्ठा होनी चाहिए।
- बच्चों में नई बातें जानने की जिज्ञासा होती है।
- सही निर्णय लेने के लिए विवेक आवश्यक है।
- समाज में दूसरों के प्रति संवेदना होनी चाहिए।
- लगातार परिश्रम से लक्ष्य प्राप्त होता है।
- उसके व्यवहार में उदारता दिखाई देती है।
- जीवन में संतुलन बनाए रखना ज़रूरी है।
- गलत कार्य करने पर पश्चात्ताप होता है।
- अच्छे संस्कारों से सम्मान मिलता है।
- कठिनाइयों से अनुभूति प्राप्त होती है।
- बच्चों की जिम्मेदारी माता-पिता निभाते हैं।
- सच्चे मित्रों में विश्वास बना रहता है।
- जीवन में साहस बहुत काम आता है।
- अच्छे व्यवहार से प्रसन्नता मिलती है।
- हर नागरिक में कर्तव्यबोध होना चाहिए।
- गलत निर्णय से हानि हो सकती है।
- कठिन परिस्थितियों में धैर्य ज़रूरी है।
- बच्चों की रुचि पढ़ाई में बढ़ानी चाहिए।
- अच्छे कार्यों से प्रेरणा मिलती है।
- समय के साथ परिपक्वता आती है।
- जीवन में आत्मसंयम आवश्यक है।
- सही मार्ग चुनने में सूझबूझ काम आती है।
- दूसरों की मदद करने से संतोष मिलता है।
- सच्ची मित्रता जीवन को सुंदर बनाती है।
- कठिन परिश्रम से उन्नति संभव है।
- बड़ों के प्रति आदरभाव रखना चाहिए।
- सफलता के बाद भी विनम्रता बनी रहनी चाहिए।
- अच्छे संस्कारों से चरित्र बनता है।
- जीवन में आशा बनाए रखना ज़रूरी है।